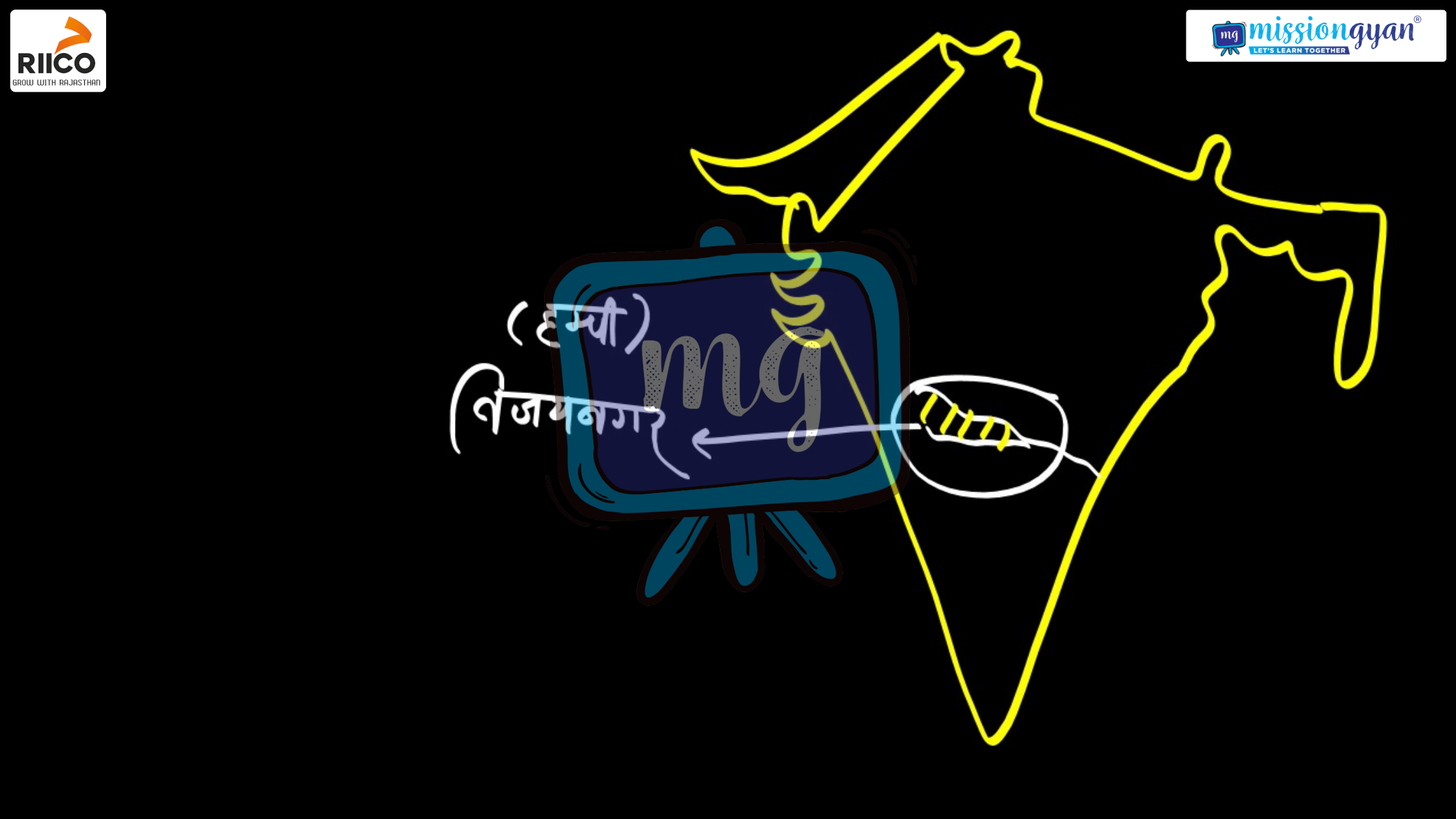

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RIICO
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th HISTORY
ई-पाठशाला
एक साम्राज्य की राजधानी
विजयनगर
ONE SHOT
पूरा चैप्टर एक ही क्लास में ...
30 सितंबर 2026 || 03:30 PM


(हम्पी)
विजयनगर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1336 - हरिहर & बुक्का

↓

' कृष्ण देव राय '



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विजयनगर

'हम्पी'

KR

1336 - हरिहर & बुक्का

अमर नायक



- व्यापार
- प्रशासनिक
- रायचूर
- गजपति
- नवाब - सुल्तान
- गोपुरम, मंदिर
- शहर-

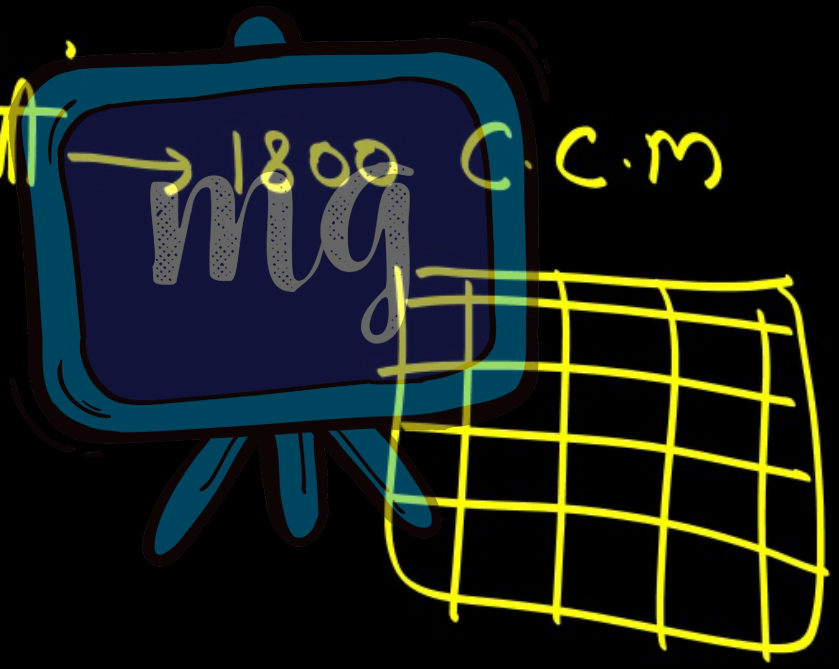
X रामराय

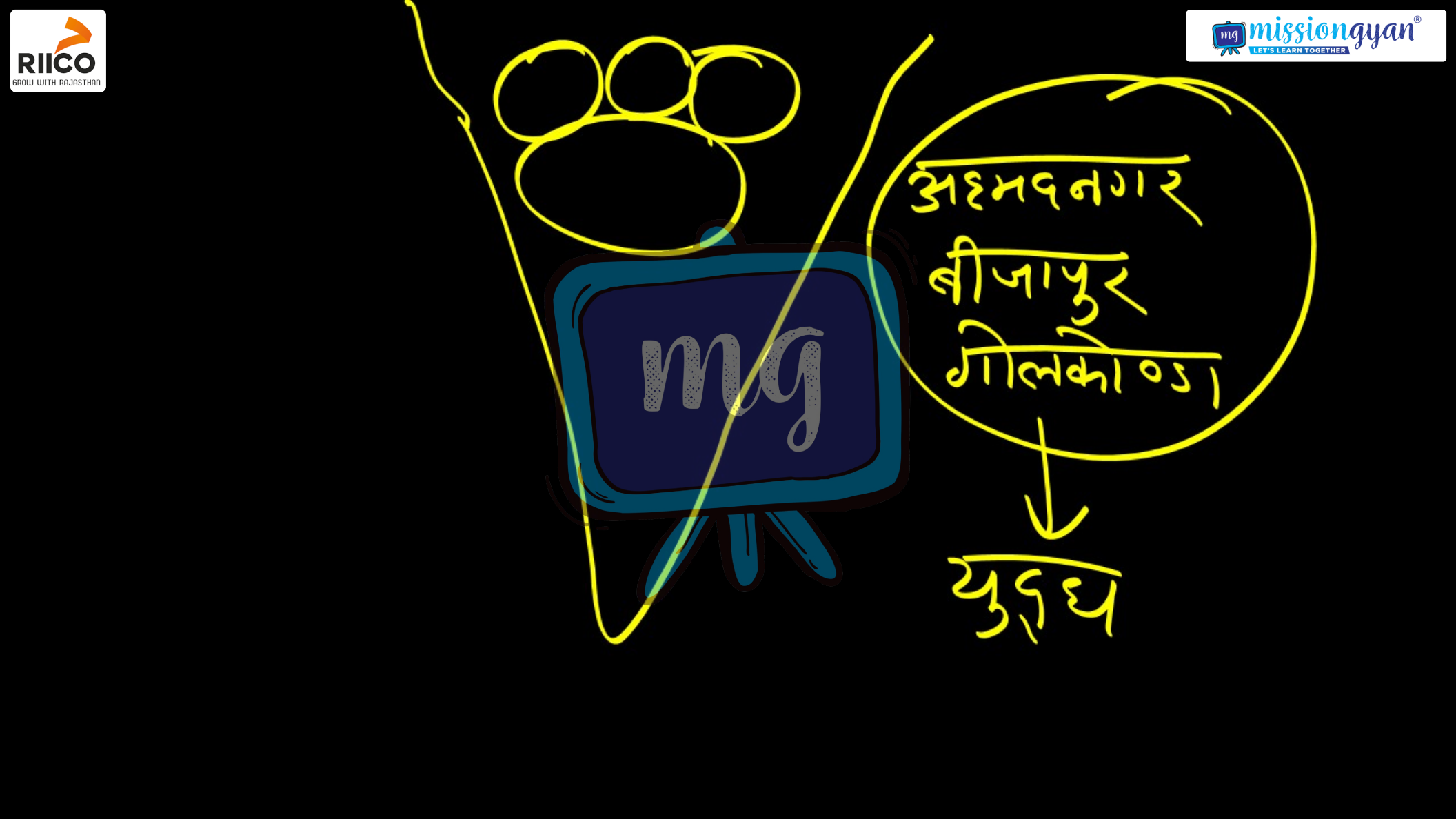
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विजयनगर X

हम्पी → 1800 C.C.m




अहमदनगर
बीजापुर
गोलकोण्डा
युद्ध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सुल्तान

राय

- विजयनगर अथवा "विजय का शहर" एक शहर और एक साम्राज्य, दोनों के लिए प्रयुक्त नाम था। इस साम्राज्य की स्थापना चौदहवीं शताब्दी में की गई थी।
- स्थापना :- दो भाइयों-हरिहर और बुक्का-द्वारा 1336 में की गई थीं।
- अपने चरमोत्कर्ष पर यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण तक फैला हुआ था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



हम्पी की खोज

- हम्पी के भग्नावशेष 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेंजी ने प्रकाश में लाए।
- मैकेंजी ने हम्पी का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया।
- प्रारंभिक जानकारी विरुपाक्ष मंदिर और पम्पादेवी मंदिर की परंपराओं से मिली।
- 1836 से अभिलेखकर्ताओं ने हम्पी और आसपास के मंदिरों के अभिलेख एकत्र किए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कॉलिन मैकेन्जी

- जन्म : 1754 ई.
- वे अभियंता, सर्वेक्षक और मानचित्रकार थे।
- 1815 ई. में भारत के पहले सर्वेयर जनरल बने।
- 1821 ई. में मृत्यु तक इस पद पर रहे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

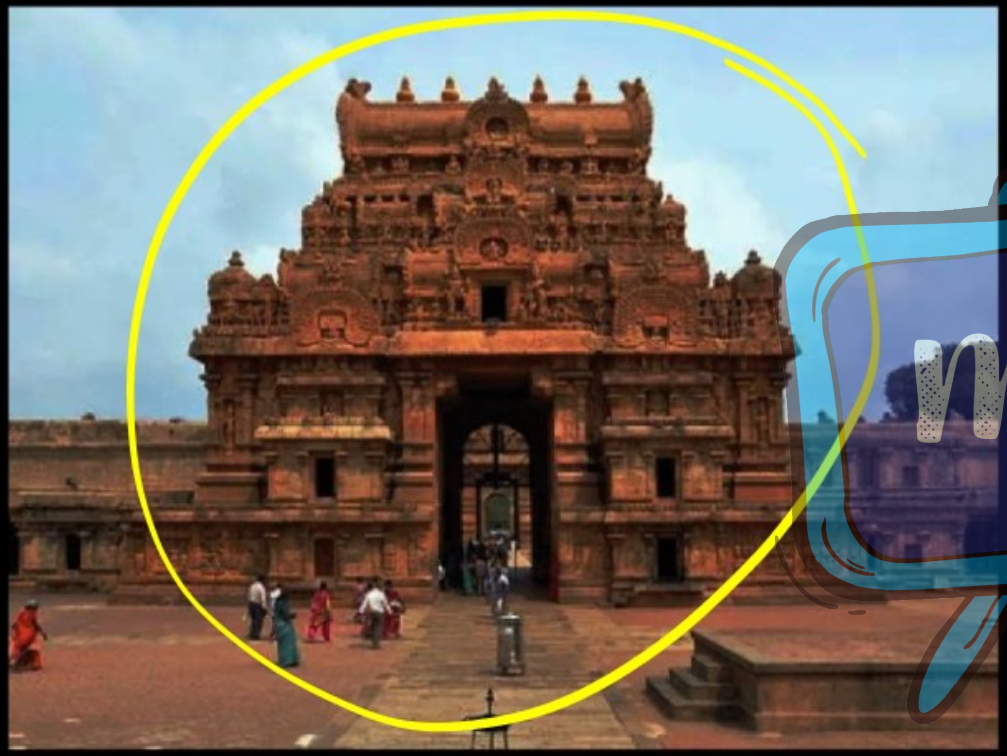
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रशासन → अमर नायक प्रणाली



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राय, नायक तथा सुलतान

- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर और बुक्का ने की।
- विजयनगर शासकों ने दक्कन के सुलतानों और उड़ीसा के गजपति शासकों से संघर्ष किया।
- इन राज्यों के बीच स्थापत्य और भवन निर्माण की तकनीकों का आदान-प्रदान हुआ।
- विजयनगर ने कई स्थापत्य परंपराओं को अपनाकर आगे विकसित किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

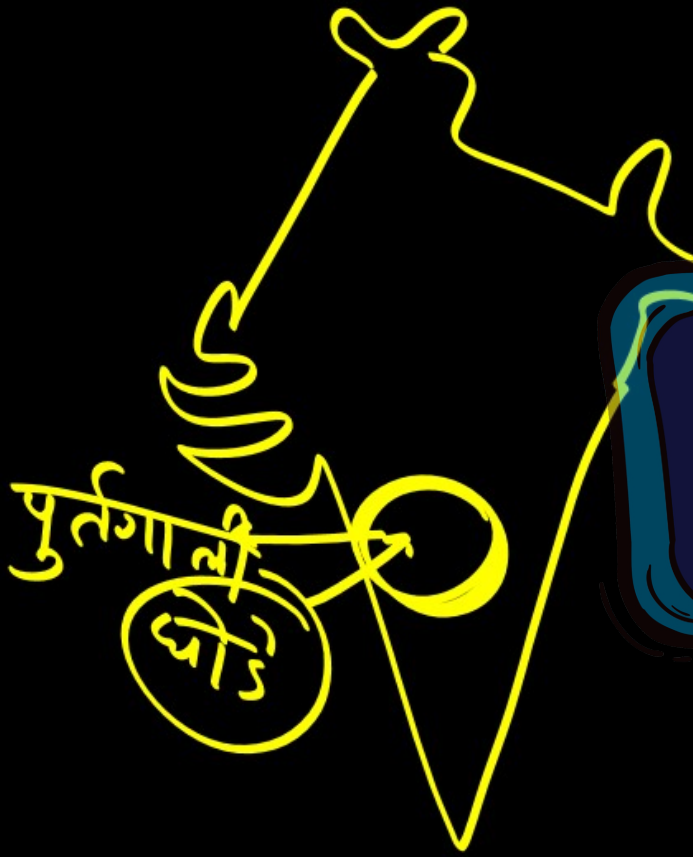
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- तमिलनाडु के चोल और कर्नाटक के होयसाल शासकों की परंपराओं का प्रभाव भी पड़ा।
- तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर और बेलूर के चन्नकेशव मंदिर जैसी परंपराओं को संरक्षण मिला।
- विजयनगर के शासक स्वयं को 'राय' कहते थे।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



शासक और व्यापारी :-

- युद्धों में घोड़ों का आयात बहुत महत्वपूर्ण था।
- प्रारंभ में यह व्यापार अरब व्यापारियों के नियंत्रण में था।
- 1498 ई. के बाद पुर्तगाली व्यापारी भी इस व्यापार में आए।
- बेहतर सैन्य तकनीक और बंदूकों से पुर्तगालियों का प्रभाव बढ़ा।
- विजयनगर मसालों, वस्त्रों और रत्नों के बाजारों के लिए प्रसिद्ध था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विजयनगर साम्राज्य

- संगम वंश
- सालुव वंश
- तुलुव वंश
- आरवीडू वंश

राज्य का चरमोत्कर्ष तथा पतन :-

- राजनीति में सत्ता के दावेदारों में शासकीय वंश के सदस्य तथा सैनिक कमांडर शामिल थे।
- पहला राजवंश, जो संगम वंश कहलाता था, ने 1485 तक नियंत्रण रखा।
- उन्हें सुलुवों ने उखाड़ फेंका, जो सैनिक कमांडर थे और वे 1503 तक सत्ता में रहे।
- इसके बाद तुलुवों ने उनका स्थान लिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



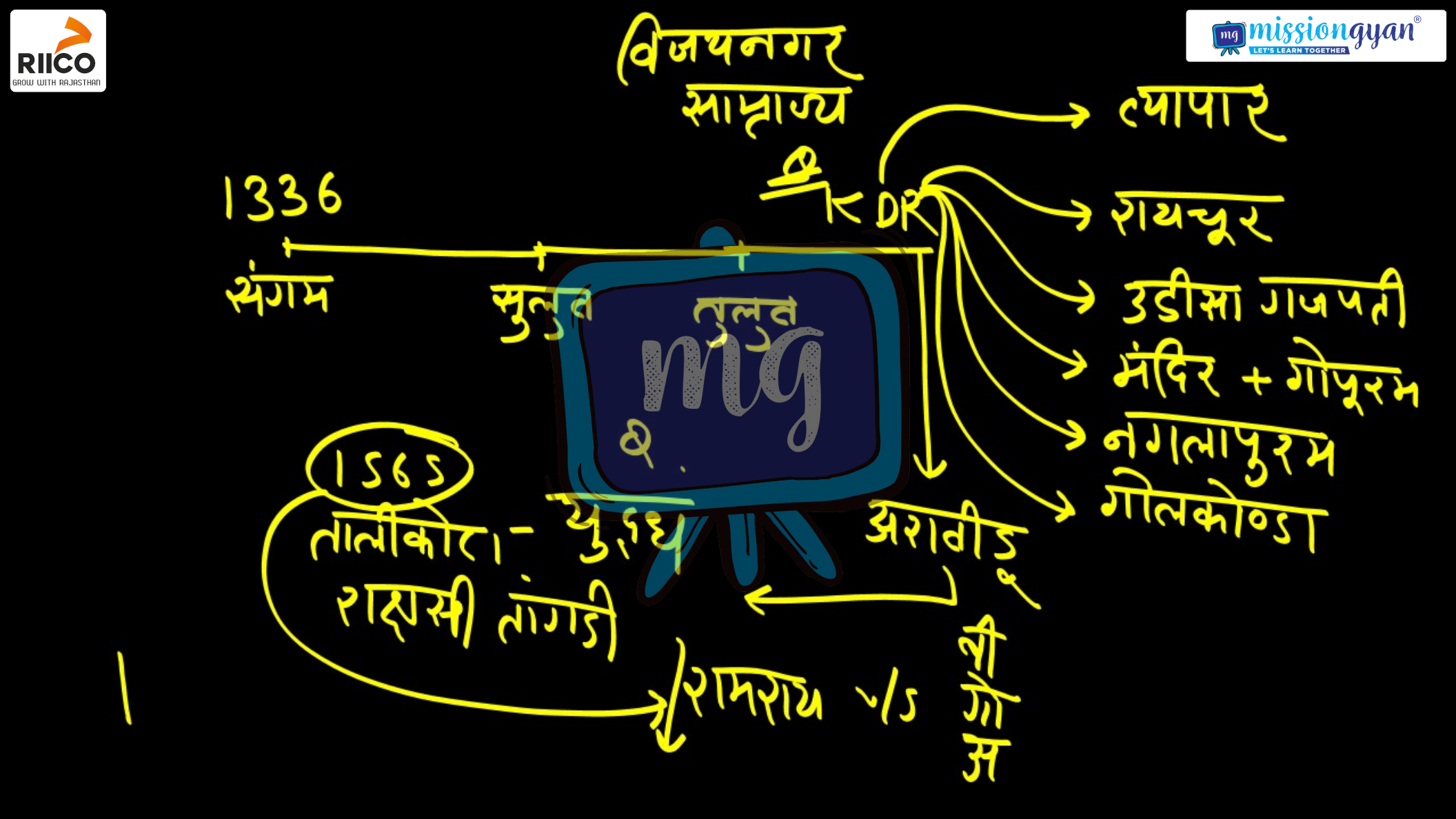
- कृष्णदेव राय तुलुव वंश के प्रसिद्ध शासक थे।
- उनके शासन में विजयनगर साम्राज्य का विस्तार हुआ।
- 1512 में रायचूर दोआब पर अधिकार किया गया।
- 1514 में उड़ीसा के शासकों को पराजित किया गया।
- बीजापुर के सुलतान को भी पराजय मिली।
- मंदिर निर्माण और गोपुरमों के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

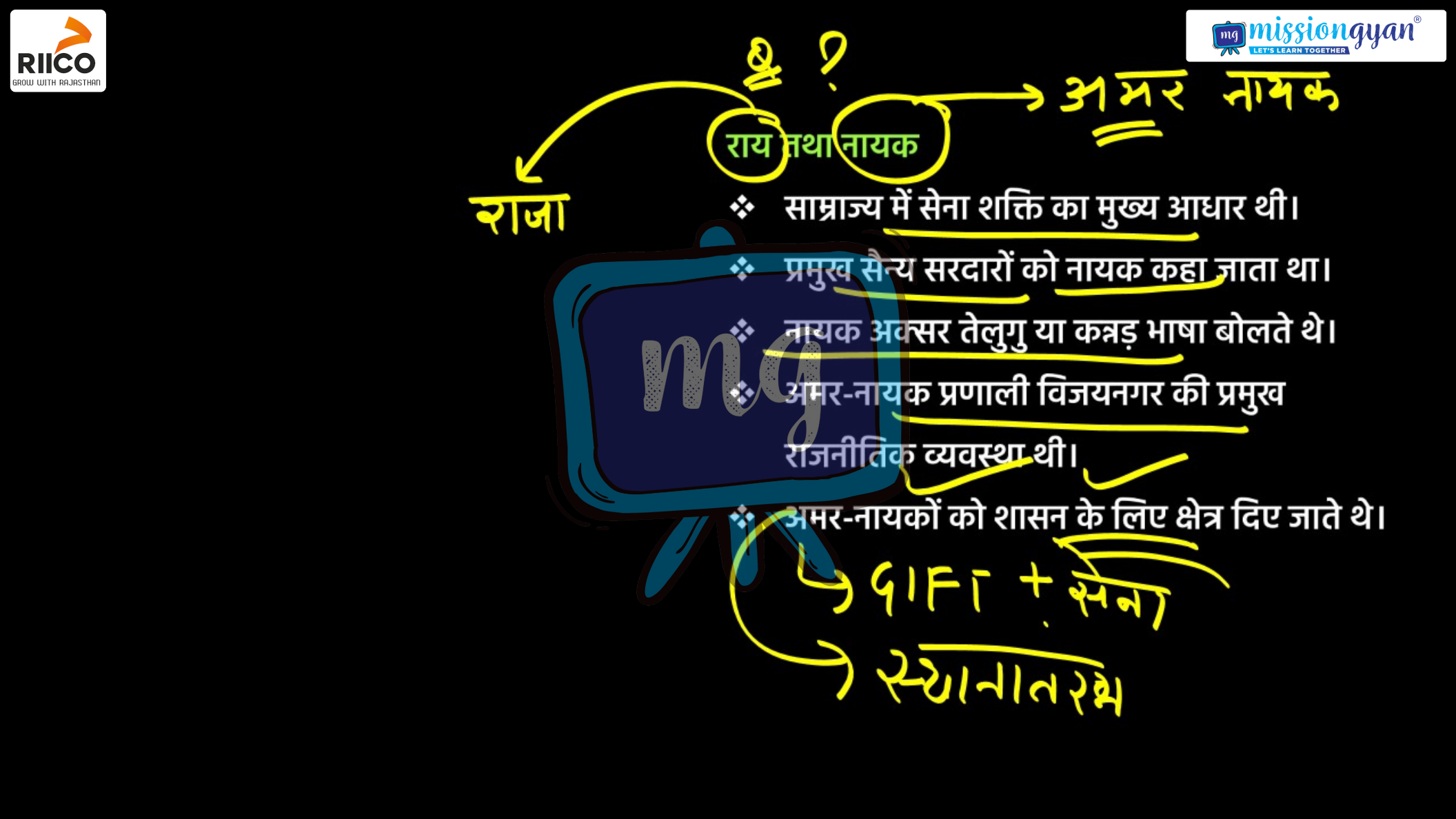
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

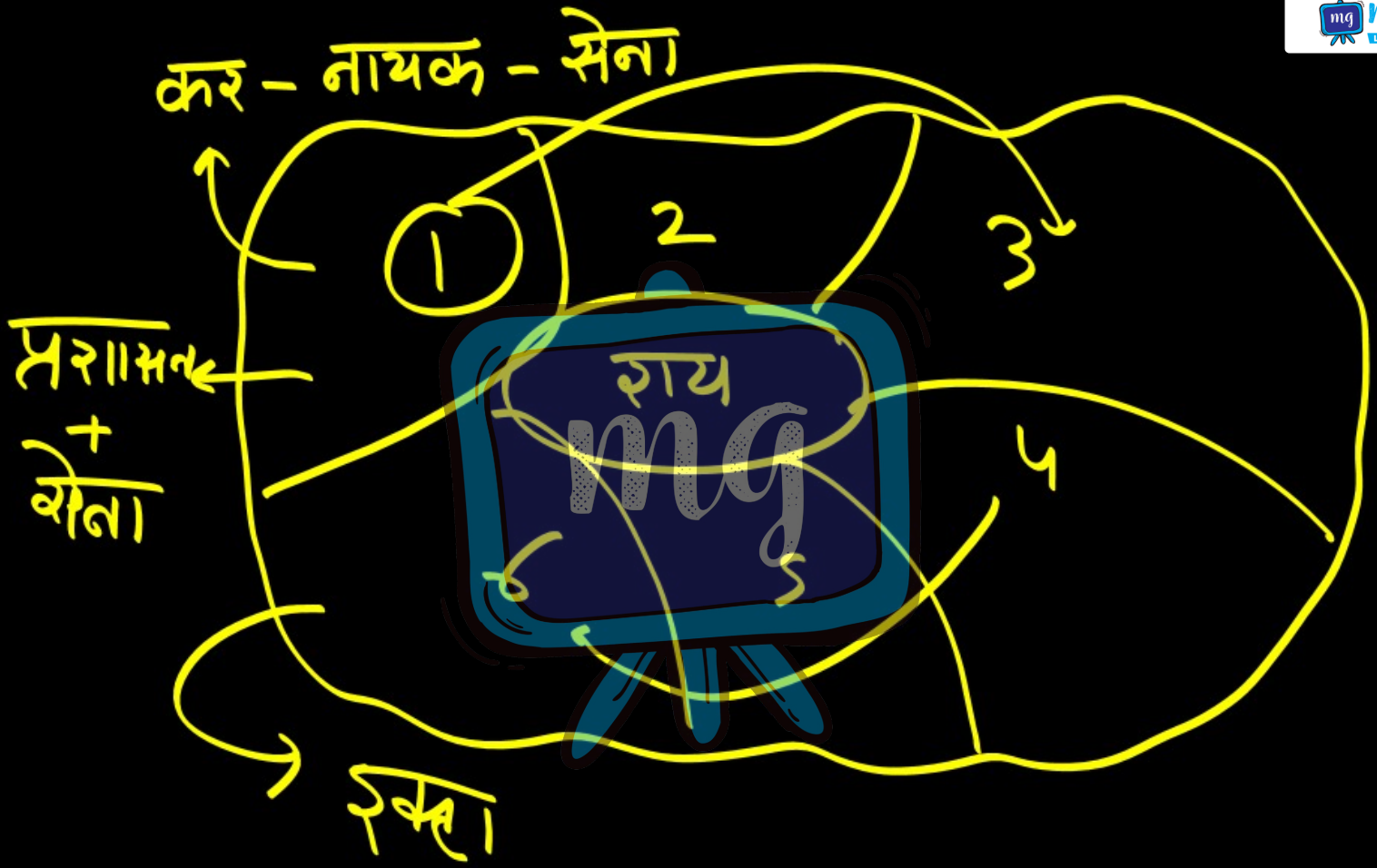
- उन्होंने अपनी माता के नाम पर नागलपुरम् उपनगर बसाया।
- 1529 में उनकी मृत्यु के बाद राजनीतिक तनाव बढ़ा।
- 1542 तक सत्ता अराविदु वंश के हाथों में चली गई।
- विजयनगर और दक्कन सल्तनतों के बीच संघर्ष जारी रहा।
- 1565 में राक्षसी तांगड़ी के युद्ध में विजयनगर की हार हुई।
- बीजापुर, अहमदनगर और गोलकुंडा की संयुक्त सेनाओं ने विजयनगर को पराजित किया।
- विजयनगर शहर को लूटा गया और राजधानी बाद में पूर्व की ओर स्थानांतरित हुई।


विजयनगर साम्राज्य
1336
संगम
सुलुव
तुलुव
1565
तालीकोट।
राक्षसी तांगडी
अराविडु
श्रीरंग
रामराय
व्यापार
शयच्चूर
उडीसा गजपती
मंदिर + गोपुरम
नगलापुरम
गोलकोण्डा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

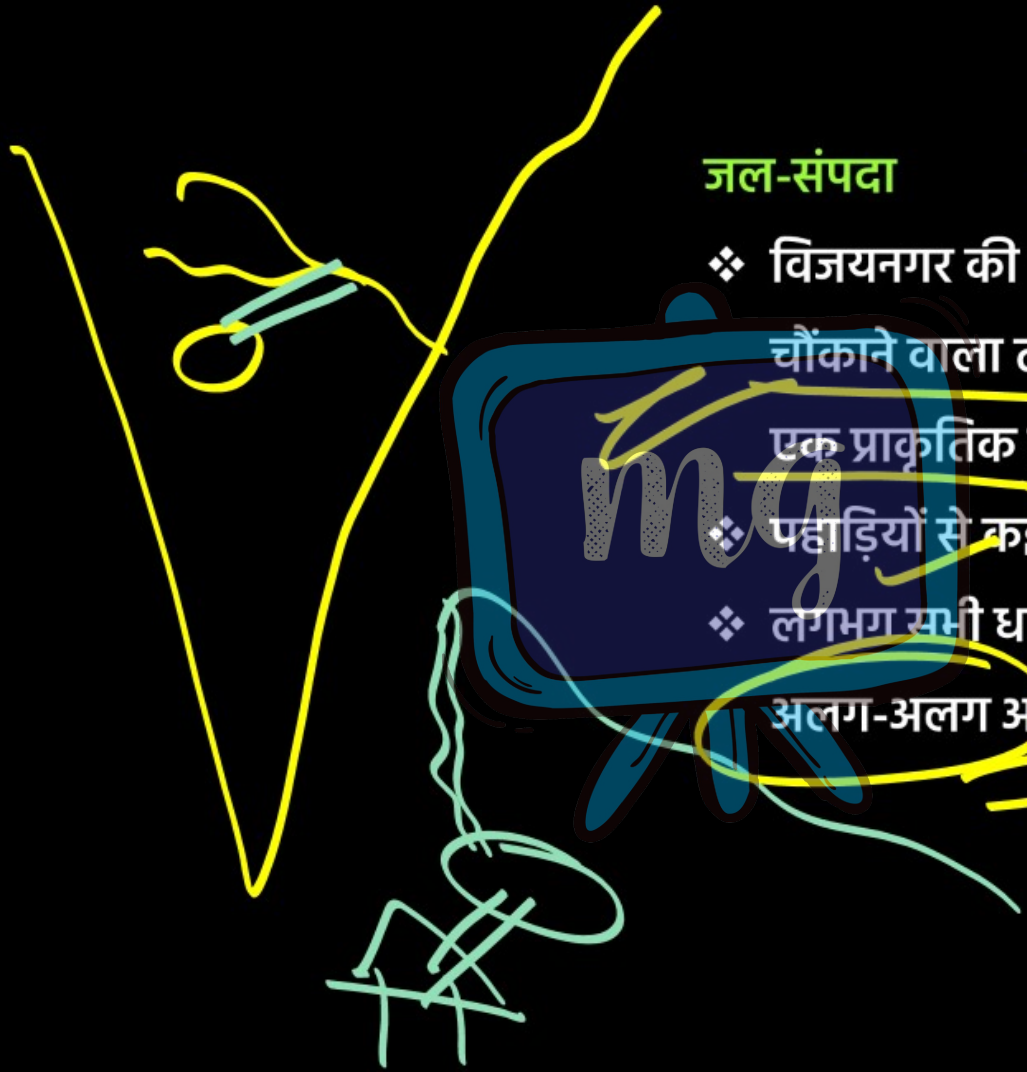
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




कर - नायक - सेना
1
2
3
प्रशासन + सेना
5
रक्षा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

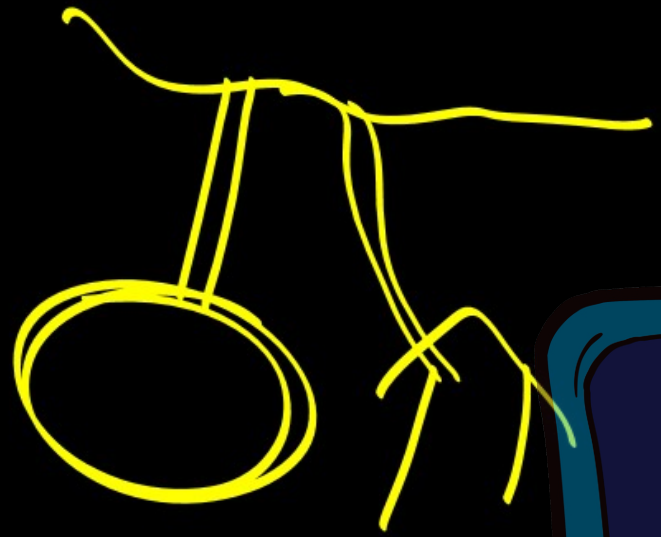


जल-संपदा

- विजयनगर की भौगोलिक स्थिति के विषय में सबसे चौंकाने वाला तथ्य तुंगभद्रा नदी द्वारा यहाँ निर्मित एक प्राकृतिक कुण्ड है।
- पहाड़ियों से कई जल-धाराएँ आकर नदी से मिलती हैं।
- लगभग सभी धाराओं के साथ-साथ बाँध बनाकर अलग-अलग आकारों के हौज़ बनाए गए थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- चूँकि यह प्रायद्वीप के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक था इसलिए पानी के संचयन और इसे शहर तक ले जाने के व्यापक प्रबंध करना आवश्यक था।
- ऐसे सबसे महत्त्वपूर्ण हौजों में एक का निर्माण पंद्रहवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में हुआ जिसे आज कमलपुरम् जलाशय कहा जाता है।

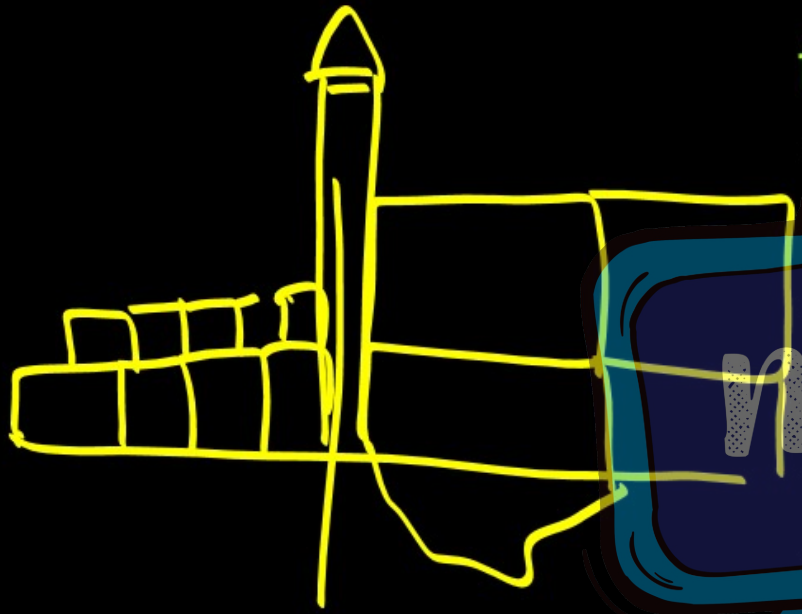
❖ इस हौज़ के पानी से न केवल आस-पास के खेतों को सींचा जाता था बल्कि इसे एक नहर के माध्यम से "राजकीय केंद्र" तक भी ले जाया गया था।



राजकीय केंद्र की ओर जाती एक कृत्रिम जल प्रणाली

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

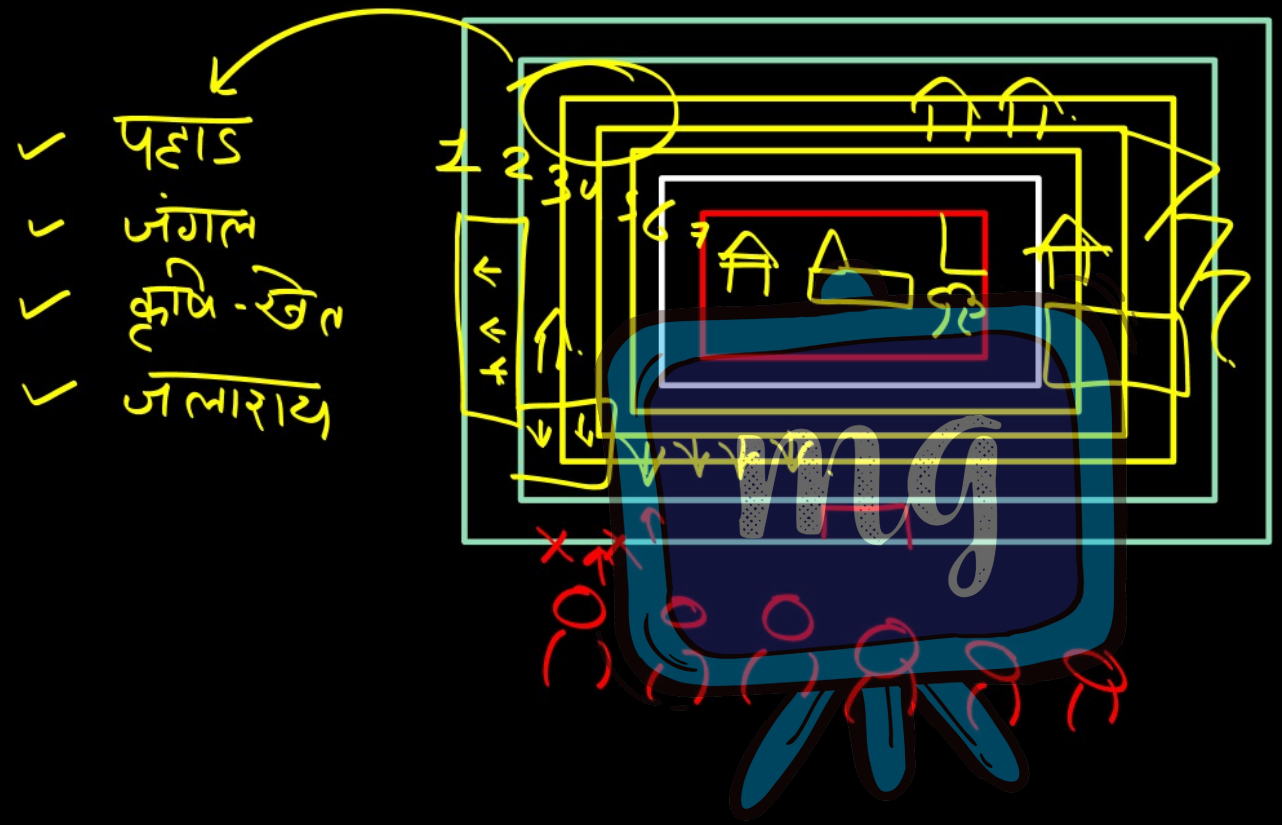


किलेबंदियाँ तथा सड़कें

- फारसी दूत अब्दुर रज़्ज़ाक
- उसने दुर्गों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया।
- किलेबंदी में शहर, कृषि क्षेत्र और जंगल भी शामिल थे।
- बाहरी दीवार आसपास की पहाड़ियों को जोड़ती थी।
- निर्माण में गारे का प्रयोग नहीं किया गया था।
- फानाकार पत्थरों से दीवारें मजबूती से खड़ी रहती थीं।
- दीवारों के भीतर मिट्टी और मलबा भरा गया था।
- वर्गाकार और आयताकार बुर्ज बाहर निकले हुए थे।
- दीवारों के बीच खेत, बगीचे और आवास थे।
- पुरातत्त्वविदों ने भी कृषि क्षेत्र के साक्ष्य पाए हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



इस्लामी + हिन्दू

आपके विचार में कृषि-क्षेत्रों को क़िलेबंद भूभाग में क्यों समाहित किया जाता था?

- कृषि क्षेत्रों को किलेबंदी में शामिल किया गया ताकि संकट के समय खाद्य आपूर्ति बनी रहे।
- दूसरी किलेबंदी नगरीय केंद्र के चारों ओर थी।
- तीसरी किलेबंदी शासकीय केंद्र को घेरे हुए थी।
- दुर्गों के प्रवेशद्वार मुख्य सड़कों से जुड़े थे।
- प्रवेशद्वारों पर मेहराब और ऊपर गुंबद बने थे।
- यह स्थापत्य शैली हिंद-इस्लामी शैली कहलाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



शहरी केंद

- शहरी केंद्र की ओर जाने वाली सड़कों पर चलें तो सामान्य लोगों के आवासों के अपेक्षाकृत कम पुरातात्विक साक्ष्य हैं।
- पुरातत्वविदों ने कुछ स्थानों, जिनमें शहरी केंद्र का उत्तर-पूर्वी क्षेत्र भी शामिल है, में परिष्कृत चीनी मिट्टी पायी है और " उनका यह सुझाव है कि हो सकता है इन स्थानों में अमीर व्यापारी रहते हों

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यह मुस्लिम रिहायशी मुहल्ला भी था। यहाँ स्थित मक़बरों तथा मस्ज़िदों के विशिष्ट प्रमाण से ऐसा पता चलता है।
- सामान्य लोगों के आवासों, (जो अब अस्तित्व में नहीं हैं,) का सोलहवीं शताब्दी का पुर्तगाली यात्री बरबोसा कुछ इस प्रकार वर्णन करता है: "लोगों के अन्य आवास छप्पर के हैं, पर फिर भी सुदृढ़ हैं, और व्यवसाय के आधार पर कई खुले स्थानों वाली लंबी गलियों में व्यवस्थित हैं।"

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राजकीय केंद्र

- राजकीय केंद्र बस्ती के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित था।
- इसमें 60 से भी अधिक मन्दिर सम्मिलित थे।
- स्पष्टतः मन्दिरों और संप्रदायों को प्रश्रय देना शासकों के लिए महत्त्वपूर्ण था जो इन देव-स्थलों में प्रतिष्ठित देवी-देवताओं से संबंध के माध्यम से अपनी सत्ता को स्थापित करने तथा वैधता प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे।

Q. किलेबंदी ?

Q. जल प्रणाली ?

Q. शहर ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लगभग तीस संरचनाओं की पहचान महलों के रूप में की गई है। इन संरचनाओं तथा मंदिरों के बीच एक अंतर यह था कि मंदिर पूरी तरह से राजगिरी से निर्मित थे जबकि धर्मेतर भवनों की अधिरचना विकारी वस्तुओं से बनाई गई थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विजयनगर

- धार्मिक
  - मंदिर
  - गोपुरम
- अन्य
  - महानवमी
  - सामुदायिक हाथी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

महानवमी डिब्बा

❖ इस क्षेत्र की कुछ अधिक विशिष्ट संरचनाओं का नामकरण भवनों के आकार और साथ ही उनके कार्यों के आधार पर किया गया है। "राजा का भवन" नामक संरचना अंतः क्षेत्र में सबसे विशाल है परंतु इसके राजकीय आवास होने का कोई निश्चित साक्ष्य नहीं मिला है। इसके दो सबसे प्रभावशाली मंच है।

- "सभा मंडप"
- "महानवमी डिब्बा"

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **सभा मंडप :-** सभा मंडप एक ऊँचा मंच है जिसमें पास-पास तथा निश्चित दूरी पर लकड़ी के स्तंभों के लिए छेद बने हुए हैं।

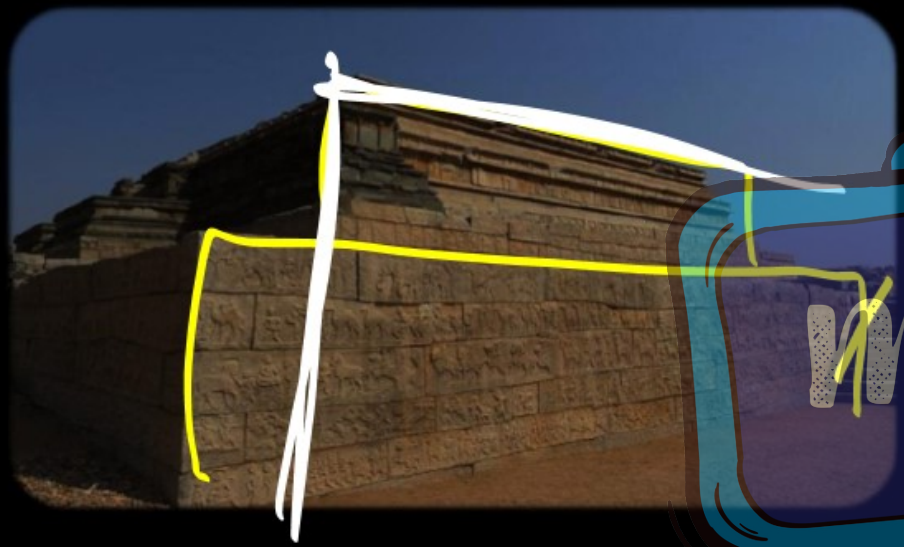


- इसमें दूसरी मंज़िल, जो इन स्तंभों पर टिकी थी, तक जाने के लिए सीढ़ी बनी हुई थी।
- स्तंभों के एक दूसरे से बहुत पास-पास होने से बहुत कम खुला स्थान बचता होगा।
- इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि यह मंडप किस प्रयोजन के लिए बनाया गया था।

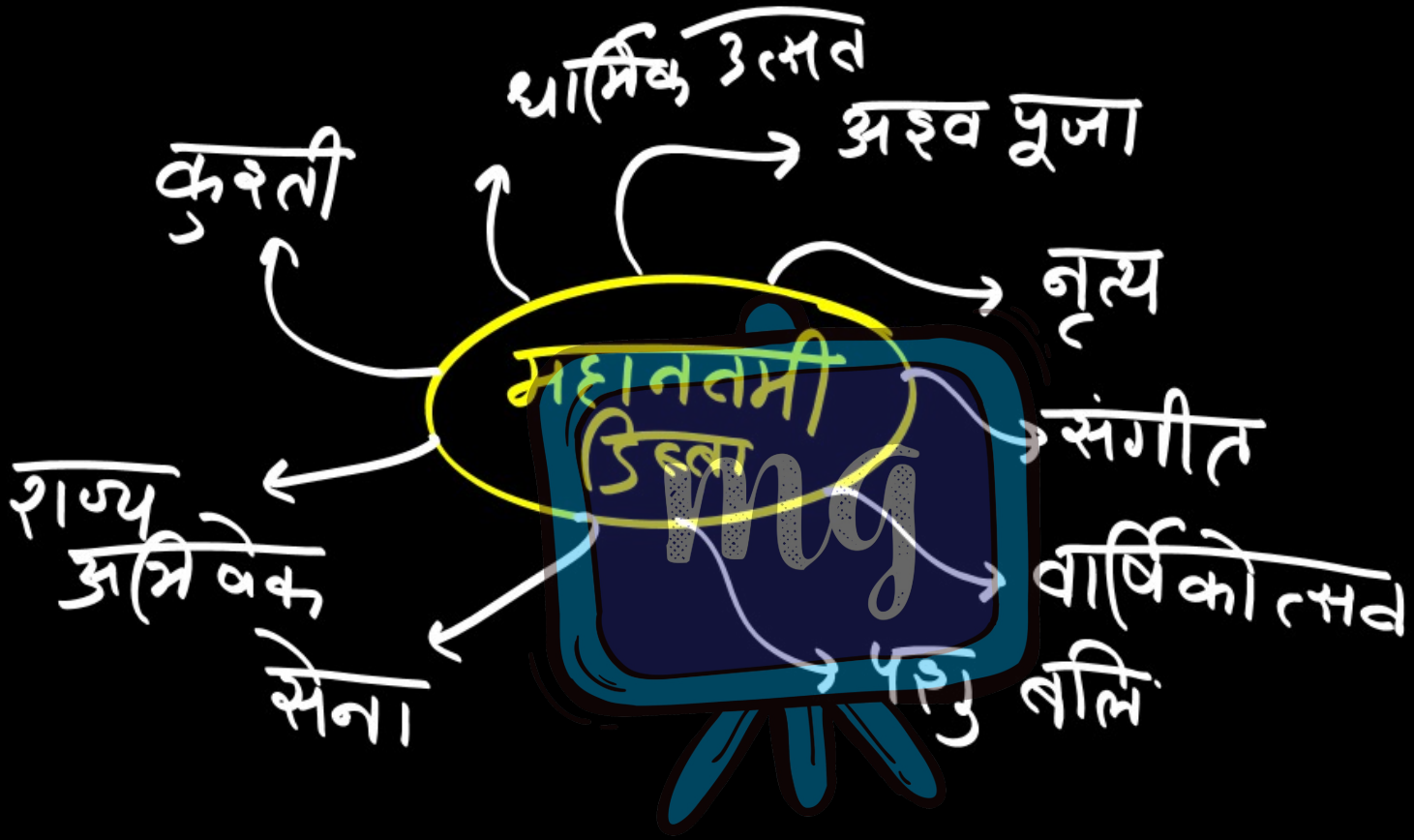
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

PYQ ★★★



- **महानवमी डिब्बा :-**
- महानवमी डिब्बा शहर के सबसे ऊँचे स्थानों में स्थित विशाल मंच था।
- इसका आधार लगभग 11,000 वर्ग फीट और ऊँचाई लगभग 40 फीट थी।
- यहाँ कभी लकड़ी की संरचना बनी होने के प्रमाण मिले हैं।
- यह महानवमी/नवरात्रि जैसे उत्सवों से जुड़ा था।
- विजयनगर शासक यहाँ अपनी शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करते थे।


महानवमी
दिवस
धार्मिक उत्सव
अश्व पूजा
कुश्ती
नृत्य
संगीत
वार्षिकोत्सव
पशु बलि
शस्त्र अभिषेक
सेना

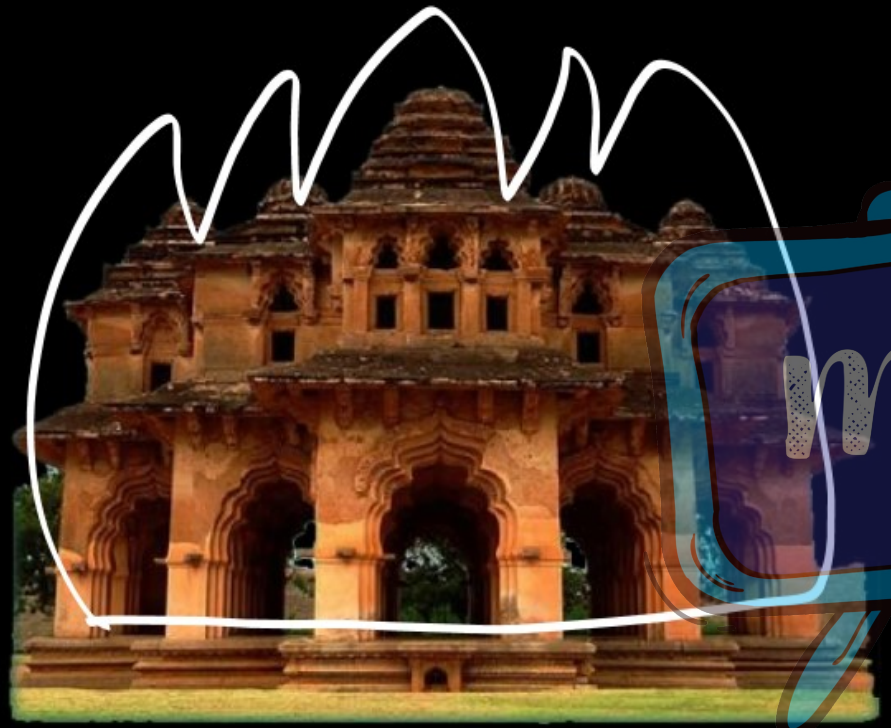
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पूजा, पशु बलि, नृत्य, कुश्ती और शोभायात्राएँ प्रमुख आकर्षण थे।
- घोड़ों, हाथियों, रथों और सैनिकों की शोभायात्राएँ निकाली जाती थीं।
- नायक और अधीनस्थ राजा शासक को औपचारिक भेंट देते थे।
- विद्वानों में मत है कि आज का महानवमी डिब्बा ही इन अनुष्ठानों का मुख्य केंद्र था या नहीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कमल महल

राजकीय केंद्र में स्थित अन्य भवन

- राजकीय केंद्र के सबसे सुंदर भवनों में एक लोटस (कमल) महल है, जिसका यह नामकरण उन्नीसवीं शताब्दी के अंग्रेज़ यात्रियों ने किया था।
- लेकिन इतिहासकार इस बारे में निश्चित नहीं हैं कि यह भवन किस कार्य के लिए बना था।

मैकेन्ज़ी :- यह परिषदीय सदन था जहाँ राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- अधिकांश मन्दिर धार्मिक केंद्र में स्थित थे, लेकिन राजकीय केंद्र में भी कई थे। इनमें से, एक अत्यंत दर्शनीय को हज़ार राम मन्दिर कहा जाता है। संभवतः इसका प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था।
- मन्दिर की आंतरिक दीवारों पर उत्कीर्णित रामायण से लिए गए कुछ दृश्यांश सम्मिलित हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

७. सभा मण्डप
७. महानवमी डिब्बा
७. कमल महल
७. हजारा राम मंदिर



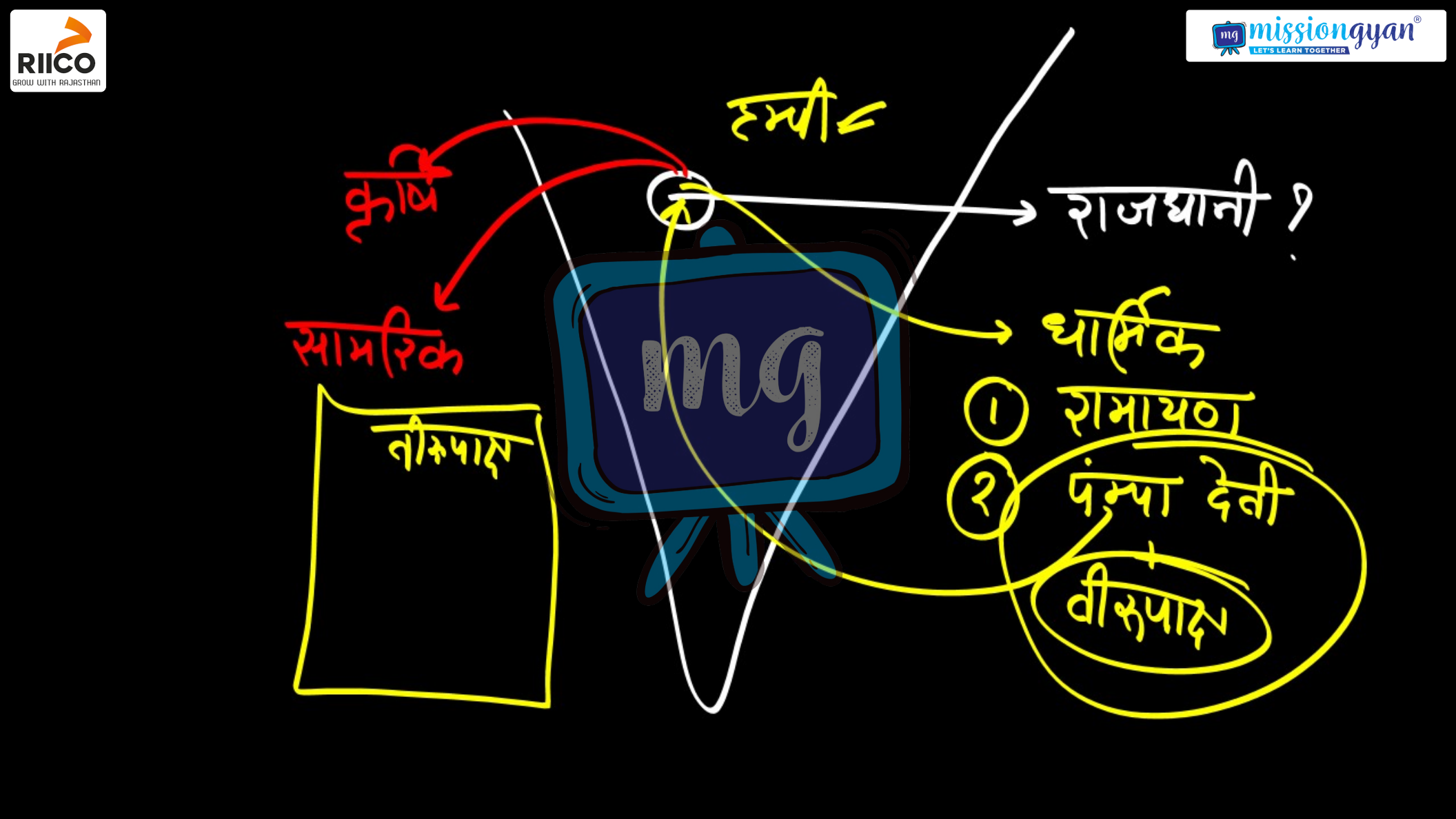
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धार्मिक केंद्र

राजधानी का चयन

- अब हम तुंगभद्रा नदी के तट से लगे शहर के चट्टानी उत्तरी भाग की ओर ध्यान केन्द्रित करते हैं।
- स्थानीय मान्यताओं के अनुसार ये पहाड़ियाँ रामायण में उल्लेखित बाली और सुग्रीव के वानर राज्य की रक्षा करती थीं।


हम्पी
कृषि
सामरिक
तीरूपाक्ष
राजधानी ?
धार्मिक
1 रामायण
2 पंम्पा देवी
तीरूपाक्ष

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अन्य मान्यताओं के अनुसार स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी ने इन पहाड़ियों में विरुपाक्ष, (जो राज्य के संरक्षक देवता तथा शिव का एक रुप माने जाते हैं) से विवाह के लिए तप किया था।
- यह विवाह विरुपाक्ष मन्दिर में हर वर्ष धूम-धाम से आयोजित किया जाता है।
- यह क्षेत्र कई-धार्मिक मान्यताओं से संबद्ध था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- शासक भी अपने आप को ईश्वर से जोड़ने के लिए मन्दिर निर्माण को प्रोत्साहन देते थे-मन्दिर महत्त्वपूर्ण धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक केंद्रों के रुप में विकसित हुए।
- यह संभव है कि विजयनगर के स्थान का चयन वहाँ विरुपाक्ष तथा पम्पादेवी के मन्दिरों के अस्तित्व से प्रेरित था।
- यहाँ तक कि विजयनगर के शासक भगवान विरुपाक्ष की ओर से शासन करने का दावा करते थे।

- सभी राजकीय आदेशों पर सामान्यतया कन्नड़ लिपि में "श्री विरुपाक्ष" शब्द अंकित होता था।
- शासक देवताओं से अपने गहन संबंधों के संकेतक के रूप में विरुद “हिन्दू सूरतराणा” का प्रयोग भी करते थे। हिंदू सुलतान।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

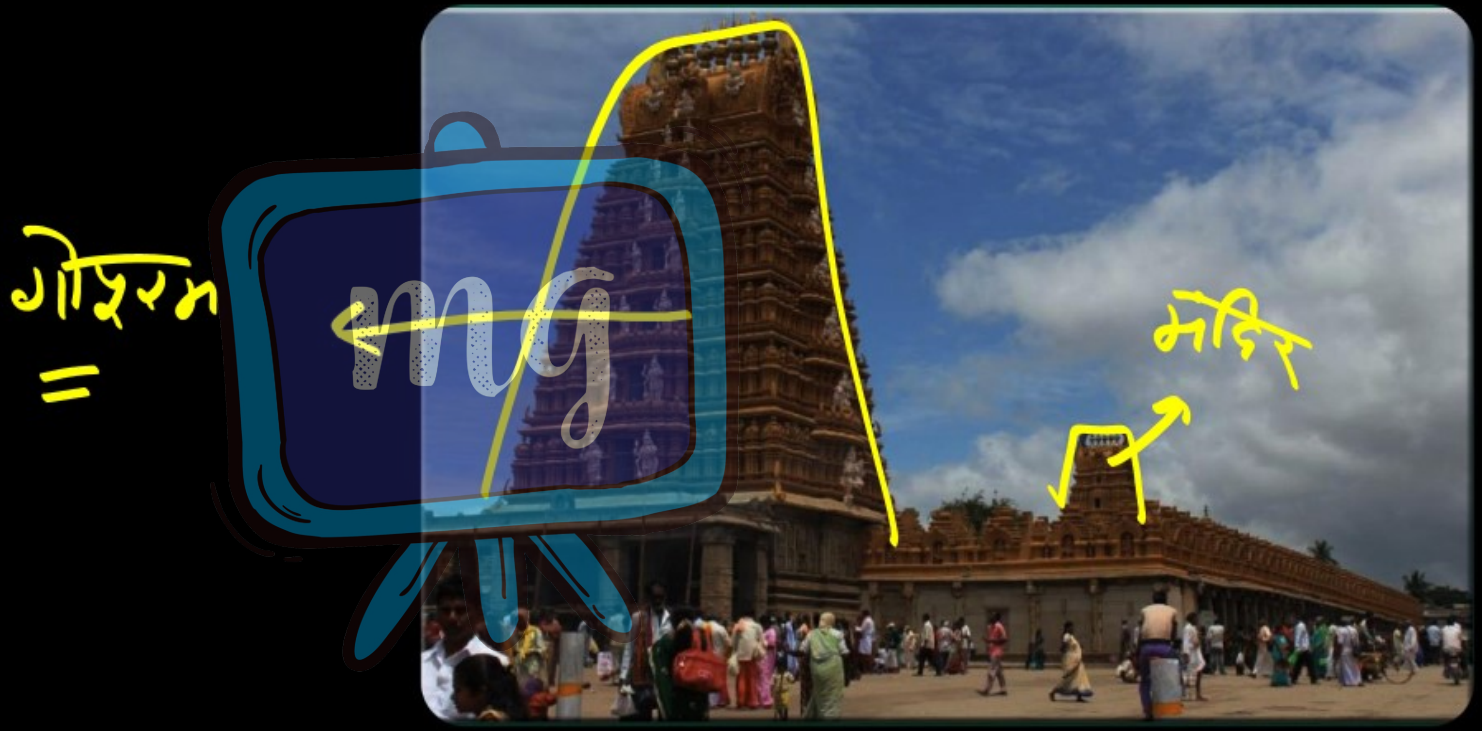
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

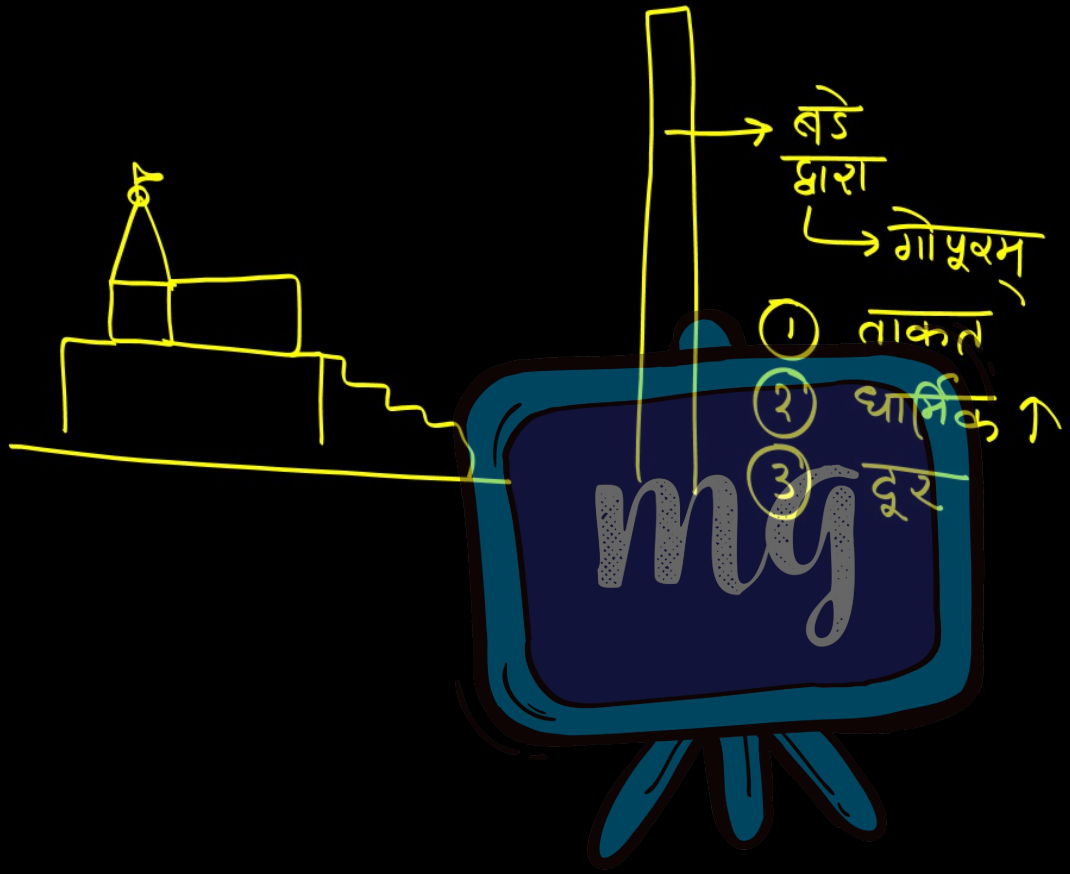
गोपुरम् और मण्डप

- मन्दिर स्थापत्य के संदर्भ में इस समय तक कई नए तत्व प्रकाश में आते हैं।
- इनका सबसे अच्छा उदाहरण राय गोपुरम् अथवा राजकीय प्रवेशद्वार थे जो अकसर केंद्रीय देवालयों की मीनारों को बौना प्रतीत कराते थे और जो लंबी दूरी से ही मन्दिर के होने का संकेत देते थे।
- ये संभवतः शासकों की ताकत की याद भी दिलाते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




बड़े
द्वारा
गोपुरम्
1 ताकत
2 धार्मिक
3 दूर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अन्य विशिष्ट अभिलक्षणों में मण्डप तथा लंबे स्तंभों वाले गलियारे, जो अकसर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थलों के चारों ओर बने थे, सम्मिलित हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

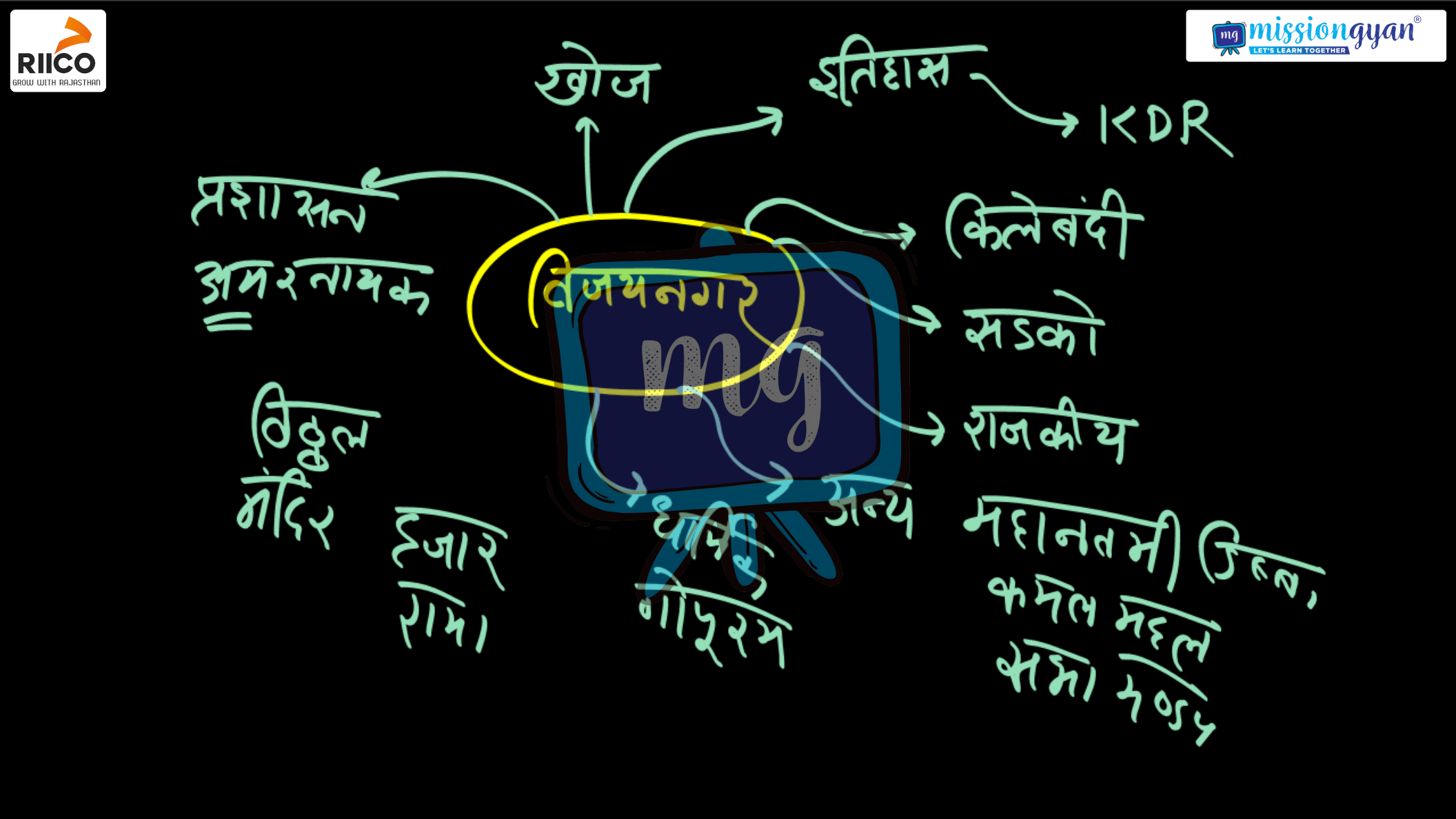
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- हम दो मन्दिरों को और सूक्ष्मता से देखते हैं-विरुपाक्ष मन्दिर तथा विठ्ठल मन्दिर। विरुपाक्ष मन्दिर का निर्माण कई शताब्दियों में हुआ था।
- अभिलेखों से पता चलता है कि सबसे प्राचीन मन्दिर नवीं-दसवीं शताब्दियों का था, विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के बाद इसे कहीं अधिक बड़ा किया गया था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मुख्य मन्दिर के सामने बना मण्डप कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में बनवाया था।
- पूर्वी गोपुरम् के निर्माण का श्रेय भी उसे ही दिया जाता है।
- मन्दिर के सभागारों का प्रयोग विविध प्रकार के कार्यों के लिए होता था।
- जिनमें देवताओं की मूर्तियाँ संगीत, नृत्य और नाटकों के विशेष कार्यक्रमों को देखने के लिए रखी जाती थीं।


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
खोज
इतिहास
IKDR
प्रशासन
अमरनायक
विजयनगर
किलेबंदी
सड़को
राजकीय
विट्ठल मंदिर
हजार राम
धार्मिक
गोपुरम
अन्य
महानवमी डिब्बा,
कमल महल
जैन मंदिर